कमल संदेश
वर्ष 1, अंक 14 नई दिल्ली
09 मई 2020 (सायं 5 बजे)
दैनिक बुलेटिन
www.kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री मोदी और इटली के प्रधानमंत्री कोंते के बीच हुई बातचीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और इटली के प्रधानमंत्री श्री ज्यूसेपे कोंते के बीच 8 मई को दूरभाष पर बातचीत हुई।

- प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के कारण इटली में हुई मौतों पर दु:ख प्रकट करते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने संकट के समय इटली के नागरिकों द्वारा दिखाए गए धैर्य के लिए उनकी सराहना की।
- दोनों नेताओं ने अपने-अपने देशों और वैश्विक स्तर पर महामारी के स्वास्थ्य संबंधी और आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेताओं ने एक दूसरे के प्रति एकजुटता व्यक्त की और एक दूसरे के देश में फंसे नागरिकों के प्रति दिखाए गए आपसी सहयोग की सराहना की।
- प्रधानमंत्री ने श्री कोंते को आश्वासन दिया कि भारत आवश्यक दवाओं और अन्य सामग्री की व्यवस्था करने में इटली को उदारता से सहयोग देता रहेगा।
- इटली के प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उचित समय पर इटली आने का एक बार फिर निमंत्रण दिया।

प्रवासी कामगारों की हर संभव मदद करनी है: जेपी नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 09 मई, 2020 को राजस्थान भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के साथ चर्चा की।

- श्री नड्डा ने कहा, "हमें भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों- फेस कवर, सैनिटाइजर, सोशल डिस्टेंसिंग और अन्य निर्देशों का पालन करते हुए सार्वजनिक सेवा कार्य में लग जाना है।
- उन्होंने कहा कि हम प्रवासी कामगारों के प्रति असंवेदनशील नहीं रह सकते। हम यह नहीं कह सकते कि आप अपने मूल स्थान पर नहीं जाएंगे।
- इसलिए, उन्होंने प्रवासी श्रमिकों की हर संभव मदद करने के लिए कहा।
- विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कोरोना महामारी के खिलाफ देश की बड़ी लड़ाई को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

कमल संदेश

कोविड-19 पर अपडेट

- अभी तक कुल 16,540 लोगों का उपचार किया जा चुका है। पिछले 24 घंटे में 1273 लोगों का उपचार किया गया। इससे कुल सुधार की दर 29.36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मरीजों के स्वस्थ होने की दर में लगातार वृद्धि हो रही है। इस समय अस्पताल में भर्ती होने वाले प्रति 3 मरीजों में से लगभग 1 मरीज स्वस्थ हो रहा है। अब कुल पुष्ट मामलों की संख्या 56,342 तक पहुंच गई है। कल से भारत में कोविड-19 के पुष्ट मामलों की संख्या में 3390 की वृद्धि दर्ज की गई है। ऐसा देखा गया है कि औसतन 3.2 प्रतिशत मरीज ऑक्सीजन की सहायता पर है, और 4.7 प्रतिशत मरीज आईसीयू में हैं और 1.1 प्रतिशत मरीज वेंटिलेटर सहायता पर हैं।
- 216 ऐसे जिले हैं, जहां से आज तक एक भी मामला सामने नहीं आया है। 42 जिले ऐसे हैं, जिनमें पिछले 28 दिन से कम समय में कोई नया मामला सामने नहीं आया है, 29 जिलों से पिछले 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। 36 जिलों में पिछले 14 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है और 46 दिनों में पिछले 7 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। (8 मई को जारी)

कमल संदेश

कोरोना के ख़िलाफ़ लड़ाई में एम्स ऋषिकेश की अनूठी पहल

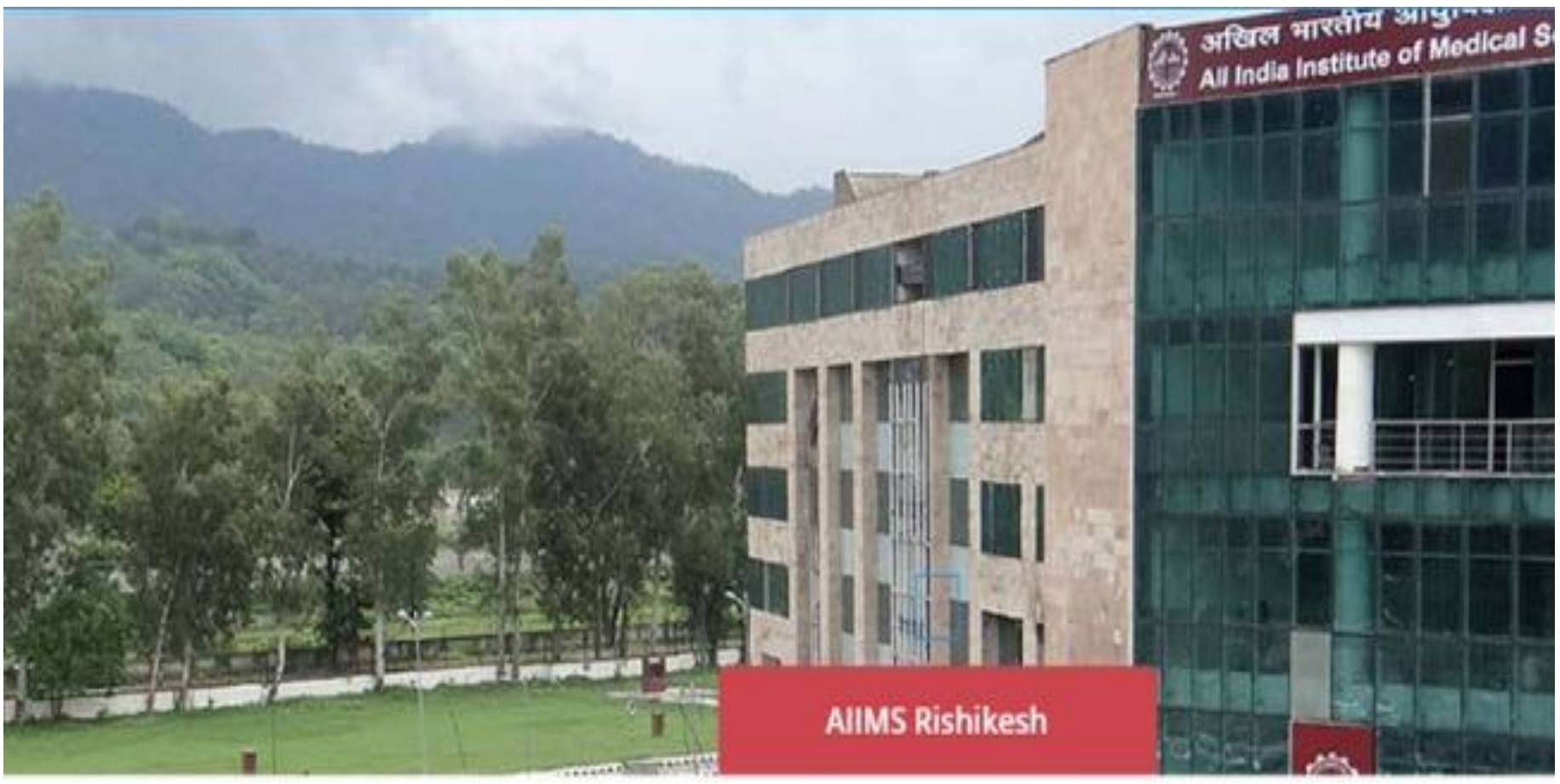

कोरोना संकट के समय में ऋषिकेश के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे बोझ को कम करने के मकसद से एक अनूठी पहल की है। यहां मोबाइल ऐप और उससे जुड़ी एक डिवाइस की सहायता से एक रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है।

- इस रिमोट हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम प्रणाली का नाम 'मोनाल' रखा गया है, जो उत्तराखंड के राज्य पक्षी के नाम से प्रेरित है। 'मोनाल' के ज़रिए कोरोना संक्रमित व्यक्ति अपने घर में रहते हुए भी चिकित्सकों के संपर्क में रह सकेगा। डिवाइस के माध्यम से रोगी के दिल की धड़कन, शरीर का तापमान, श्वसन दर और ऑक्सीजन के स्तर जैसी तमाम महत्वपूर्ण जानकारियां दूर बैठे डॉक्टरों को मिलती रहेंगी।
- इस प्रणाली को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया के सहयोग से विकसित किया गया है। डिवाइस को 200 से अधिक रोगियों पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है। जल्द ही ये ऐप जनता के लिए भी लॉन्च कर दिया जाएगा।

कमल संदेश

कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा क्षेत्र कनेक्टिविटी में एक नए युग की शुरुआत

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एक विशेष कार्यक्रम में धारचूला (उत्तराखंड) से लिपुलेख (चीन सीमा) तक 80 किलोमीटर लंबी सड़क मार्ग का उद्घाटन किया।

- कैलाश-मानसरोवर की तीर्थयात्रा को हिंदुओं, बौद्धों और जैनियों द्वारा पवित्र तथा पूजनीय बताते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस सड़क लिंक के पूरा होने के साथ, यात्रा एक सप्ताह में पूरी हो सकती है, जबकि पहले 2-3 सप्ताह का समय लगता था। यह सड़क घटियाबगड़ से निकलती है और कैलाश-मानसरोवर के प्रवेश द्वार लिपुलेख दर्रा पर समाप्त होती है। 80 किलोमीटर लम्बी इस सड़क की ऊंचाई 6,000 से 17,060 फीट तक है।
- वर्तमान में, सिक्किम या नेपाल मार्गों से कैलाश-मानसरोवर की यात्रा में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लगता है। लिपुलेख मार्ग में ऊंचाई वाले इलाकों से होकर 90 किलोमीटर लम्बे मार्ग की यात्रा करनी पड़ती थी। इसमें बुजुर्ग यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

कमल संदेश

देश भर में स्थित परीक्षण प्रयोगशालाओं को कोविड-19 जांच किट की आपूर्ति करेगा भारतीय डाक

भारतीय डाक ने आईसीएमआर के 16 क्षेत्रीय डिपो से उसकी कोविड-19 परीक्षण किट की कोविड-19 जांच के लिए नामांकित 200 अतिरिक्त प्रयोगशालाओं तक डिलीवरी के लिए एक समझौता किया है, जिससे देश के कोने-कोने में कोविड-19 परीक्षण सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने देश भर में प्रतिदिन लगभग 1 लाख परीक्षण कराने का लक्ष्य तय किया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए भारतीय डाक कोविड योद्धा के रूप में भूमिका निभाने के लिए एक बार फिर अपने 1,56,000 डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ आगे आया है। भारतीय डाक ने डूंगरपुर, चुरू, झारावार, कोलकाता, भुवनेश्वर, रांची, जोधपुर, उदयपुर, कोटा आदि के साथ ही इम्फाल, आइजोल जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में सामान की डिलीवरी की है।
- केन्द्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, कानून एवं न्याय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि भारतीय डाक लॉकडाउन के दौरान डाक, दवाओं, घर-घर वित्तीय सहायता और जरूरतमंदों को खाना तथा राशन तक उपलब्ध करा रहा है।

कमल संदेश

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत कोरोना से प्रभावित लोगों की सेहत-सलामती की सेवा

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने 9 मई को बताया कि मंत्रालय के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित 1500 से ज्यादा स्वास्थ्य सहायक, कोरोना से प्रभावित लोगों की सेहत-सलामती की सेवा में लगे हैं।

- श्री नकवी ने बताया कि इन प्रशिक्षित स्वास्थ्य सहायकों में 50 प्रतिशत लड़कियां हैं जो कि देश के विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में कोरोना मरीजों की सेवा में मदद कर रहे हैं। इस वर्ष 2000 से ज्यादा अन्य स्वास्थ्य सहायकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा 1 वर्ष की अवधि का यह प्रशिक्षण विभिन स्वास्थ्य संगठनों, संस्थाओं, जाने-माने अस्पतालों द्वारा कराया जा रहा है।
- देश के विभिन्न वक्फ बोर्डों द्वारा विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से 51 करोड़ रूपए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कोरोना राहत फंड हेतु सहयोग किया गया है।
- अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा सीखो और कमाओ कौशल विकास कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में फेस मास्क का निर्माण भी कराया गया है।

कमल संदेश

@narendramodi

विजय दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर सादर स्मरण करते हुए आज भारत रूस के साथ खड़ा है। हजारों भारतीय सैनिकों ने भी द्वितीय विश्व युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति पुतिन और रूसी लोगों को मेरी हार्दिक बधाई।
@KremlinRussia

@jpnadda

द्वंद्व कहां तक पाला जाए, युद्ध कहां तक टाला जाए / राणा का तू वंशज है, फेंक जहां तक भाला जाए
महान योद्धा एवं भारत मां के वीर सपूत महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।

@blsanthosh

विशाखापट्टनम और औरंगाबाद की दो बुरी घटनाओं के बाद जहां तक कोरोना वायरस का संबंध है, एक बेहतर दिन। पिछले 24 घंटों में 3390 मामले और 1273 ठीक हुए। पिछले कुछ दिनों से मामले 3900+ और 3500+ से नीचे हैं। प्रभावशाली 29.36% रिकवरी दर।
#IndiaFightsCorona

कमल संदेश

आर्थिक योगदान हेतु अपील

खाता का नाम :

PM CARES

खाता संख्या : 2121PM20202

IFSC कोड : SBIN0000691

Swift कोड : SBININBB104

बैंक शाखा : भारतीय स्टेट बैंक

नई दिल्ली मुख्य शाखा

Donate Now

Aarogya Setu

मैं सुरक्षित | हम सुरक्षित | भारत सुरक्षित

Download

COVID-19 INDIA

as on : 09 May 2020, 17:00 GMT+5:30

39834	17846	1981	1
Active Cases	Cured / Discharged	Deaths	Migrated

संपादकीय

अदम्य साहस, शौर्य एवं पराक्रम के प्रतीक महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर 'कमल संदेश' शत-शत नमन करता है। संघर्षों से भरे उनके वीरतापूर्ण एवं स्वाभिमानी जीवन से देश हमेशा प्रेरणा लेता रहेगा। साथ ही, हम स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनके विशिष्ट योगदान तथा शिक्षा एवं सामाजिक सुधारों के लिए किये गए उनके कार्यों को देश कभी नहीं भूलेगा।

कोरोना महामारी के बीच विदेश में फंसे भारतीयों को लाने के लिए 'वन्दे मातरम मिशन' की शुरुआत कर देश ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारतीय नौ सेना द्वारा 'ऑपरेशन समुद्र सेतु' की शुरुआत कर जलपोतों द्वारा भारतीयों को वापस देश लाने का कार्य अति प्रशंसनीय है। यह बहुत ही संतोष का विषय है कि दूसरे देशों में फंसे भारतीयों को हवाई एवं समुद्री मार्ग से लाने के कार्य में तेजी आयी है।

पूर्व में भी, जब कोरोना महामारी शुरू हुई थी, भारत ने चीन, जापान, ईरान और इटली जैसे कोरोना ग्रस्त देशों से बिना समय गंवाएं अपने नागरिकों को देश वापस लाने में तत्परता दिखाई। महामारी से ग्रस्त देशों से अपने नागरिकों को वापस लाने वाला भारत न केवल प्रथम पंक्ति के देशों में एक था, बल्कि यह अपने पड़ोसियों को भी चिकित्सा दल तथा जरूरी दवा भेजने वाले देशों में अग्रणी रहा है।

आज जबकि लग रहा है कि कोरोना महामारी से एक लम्बी लड़ाई लड़नी पड़ेगी, तो पूरा विश्व इस युद्ध के लिए तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में निश्चय ही भारत इस महामारी पर विजय प्राप्त करेगा।

- shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

कमल संदेश

संपादक: प्रभात झा, **कार्यकारी संपादक:** डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक: संजीव कुमार सिन्हा, राम नयन सिंह

कला संपादक: विकास सैनी, भोला राय

डिजिटल मीडिया: राजीव कुमार, विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण: सतीश कुमार

दूरभाष : 011-23381428 ई-मेल : mail.kamalsandesh@gmail.com